Gap between demand and supply of pulses

5029. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the gap between the demand and supply of pulses has reached ll lakh tonnes;

(b) if so, the reasons of this wide gap; and the names of pulses which are short in supply; and

(c) the steps being taken to reduce the gap?

THE MINISTTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) During 1993-94 the gap between the demand and supply ot pulses was nearly 20 lakh tonnes.

(b) The increase in population was responsible for this gap in demand and supply of pulse, Gram and Arhar are in short supply.

(c) Efforts are being made to reduce the gap in demand and supply through increased production. To augment the production of pulses a centrally sponsored National Pulses Development Project (NPDP) is under implementation. Assistance on basic key inputs like production and distribution of seeds, farm implements, sprinkler sets, dal processors etc. is given to the farmers. Production Technology is being disseminated through Frontline and general demonstrations.

Clearande for cattle food factories

5030. SHRI CHIMANBHAI HARIBHAI SHUKLA :Will the Minister of AGRI CULTURE be pleased to state :

(a) whether Govermnent areconsidering to give ...s in the State of Gujar...

(b) the number of applications which are pending with Government for setting up cattle food factories in Gujarat as on date; and

(c) what are the details in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) Since Cattle Food Industry is not under compulsory licencing, no permission from the Govt, of India is necessary.

(b) and (c) Do not arise.

हिमाचल प्रदेश, कुल्लू में नार्थ टेम्परेट रीजनल स्टेशन में कार्यरत कर्मचारी

5031. श्री महेश्वर सिंह : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में गडसा घाटी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन चलाए जा रहे नार्थ टेम्परेट रीजनल स्टेशन केन्द्रीय भेड़ और उन अनुसंधान संस्थान में कार्यरत विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों का पद-वार संख्या कितनी है और वे वहां कब-कब से कार्यरत है और दैनिक भत्ते के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या दैनिक भत्ते के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों की अस्थायी/स्थाई आधार पर नियुक्ति करते समय उनका साक्षात्कार भी लिया जाता है और स्थायी आधार पर नियुक्ति में उन्हें कोई वरीयता दी जाती है;

(ग) यदि हां, तो उन कर्मचारियों की संख्या कितनी है जो दैनिक भत्ते के आधार पर कार्य कर रहे थे और जिन्हें अब नियुक्ति में वरीयता प्रदान करके स्थायी/अस्थायी आधार पर नियुक्त किया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के केन्द्रीय भेड़ तथा उन अनुसंधान संस्थान के उत्तरी शीतोष्ण क्षेत्रीय केन्द्र में विभिन्न श्रेणियों में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या से संबंधित ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए) इसके अलावा इस समय 20 आकस्मिक मजदूर दैनिक मजदूरी पर कार्य कर रहे हैं ।

(ङ) सहायक स्टाफ के नियमित पद पर भर्ती के समय दैनिक मजदूरी पर कार्य कर रहे व्यक्ति तथा जिन्होंने लगातार 2 वर्षों में 240 न्यूनतम दिन पूरे कर लिये हों और जिनका कार्य तथा आचरण अच्छा रहा हो, उन्हें साक्षात्कार/विचार हेतु अन्य उम्मीदवारों के साथ बुलाया जाता है और नियमित पदों पर नियुक्तियों में जहां तक संभव होता है दैनिक मजदूरों को वरीयता दी जाती है ।

(ग) और (घ) उत्तरी शीतोष्ण क्षेत्रीय केन्द्र, गडसा में खाली पद न होने के कारण, वर्ष 1980 से सहायक स्टाफ (ग्रुप डी) की नियुक्ति नहीं हो सकी ।

विवरण

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, हिसार प्रदेश के उत्तरी शीतोष्ण क्षेत्रीय केन्द्रों में कार्यरत भिन्न-भिन्न वर्गों के व्यक्तियों का ब्यौरा

पदों का वर्ग	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	कब से कार्यरत हैं
वैज्ञानिक :		
वर्ग "क"	6	पहले 1982 से आगे तक
तकनीकी कर्मचारी :		
वर्ग "ख"	4	पहले 1968 से आगे तक
वर्ग "ग"	12	पहले 1969 से आगे तक
प्रशासनिक कर्मचारी :		
वर्ग "ख"	1	पहले 1986 से आगे तक
वर्ग "ग"	4	पहले 1972 से आगे तक
आक्सीलरी स्टाफ :		
वर्ग "ग"	3	पहले 1964 से आगे तक
सहायक कर्मचारी :		
वर्ग "घ"	23	पहले 1967 से आगे तक
आकस्मिक मजदूर		
दिहाड़ी पर काम करने वाले आकस्मिक मजदूर	20	नियमित कर्मचारी नहीं हैं।

Drip Irrigation system in Madhya Pradesh

5032. SHRI SURESH PACHOURI : WiU the Minister of AGRICULTURE be pleased to slate :

(a) to what exent (he Scheme of Drip Irrigation System was introduced in Madhya Pradesh during 1992-93;

(b) what was the allocation made to Madlya Pradesh under the scheme;

(c) how much amount was earmarked for Madhya Pradesii during 1992-93; and

(d) what were the Slates which have been henefitted under the Scheme ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) to (c)An amount of Rs. 1..S crores was allocated and released to Madhya Pradesh during 1992-93 as subsidy for Drip Irrigation System.

(d) All States and UTs except Chandigarh were allocated funds for subsidy for Drip Irrigation System.

Unfavourable weather for oilseed production

5033. SHRI SURESH PACHOURI : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether the rainfall and weather conditions were not favourable to the oilseed production during 1992-93 and 1993-94;